हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 63 | जौनपुर, मंगलवार 28 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सिख आज पूरी दुनिया में छाये, पर मुगलों का कहीं अता–पता नहीं : योगी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुगलों और सिखों के बीच हुए संघर्ष की याद दिलाते हुए सोमवार को कहा कि आज सिख पूरी दुनिया में छाये हुए हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता–पता नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ के आशियाना स्थित गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554 वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस उन्होंने कहा, ''सिख गुरुओं का बलिदान केवल खालसा पंथ के लिए न होकर हिन्दुस्तान और धर्म को बचाने के लिए था। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार

योगी ने कहा कि उस दौर में जब बड़े–बड़े राजा–महाराजा मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरु अपने दम पर देश और धर्म की रक्षा कर रहे थे। जिस देश और परंपरा में इस प्रकार का जुझारूपन हो उसे दुनिया की कोई ताकत झुका नहीं सकती। मुख्यमंत्री ने कहा, खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनत के पतन का कारण बनी। आज सिख पूरी दुनिया में छाये हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता–पता नहीं है। ये सत्य और धर्म का रास्ता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश पर्व हम सबके जीवन में गुरु कृपा से ज्ञान का प्रकाश देता है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान, भक्ति, शक्ति, साधना देश और धर्म के लिए अनुकरणीय है और भारत ही नहीं पूरी दुनिया में गुरु नानक जी का प्रकाश फैला है। उन्होंने कहा कि एक पक्ष भक्ति के माध्यम से साधना का है, तो वहीं दूसरा पक्ष भक्ति के माध्यम से लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्ति के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने उस कालखंड में बाबर के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा, ''जात–पात और अन्य संकीर्ण विचारों से मुक्त रहकर कार्य करने की प्रेरणा हमें गुरु नानक देव जी से मिलती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है और खालसा केवल एक पंथ नहीं है, यह देश और धर्म की रक्षा के लिए गुरु कृपा से निकला हुआ प्रकाश पुंज है। इसने विपरीत परिस्थितियों में भी विदेशी ताकत को झुकने के लिए मजबूर किया। मुख्यमंत्री ने प्रेरित करते हुए कहा कि गुरु नानक जी द्वारा रखी गई इस नींव को और मजबूत करना हर सिख और हर भारतीय का दायित्व है और इसी में राष्ट्र की समृद्धि निहित है।

उत्तरकाशी: प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने टनल में फंसे मजदूरों से बात की

संवाददाता

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा एवं गृह सचिव अजय भल्ला ने सोमवार को उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राफिकल प्रस्तुतीकरण एवं मैपिंग के माध्यम से टनल की भौगोलिक स्थिति को भी समझा। उन्होंने टनल के अंदर चल रहे रेस्क्यू कार्य की बारीकियों को समझा, अधिकारियों के साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे श्रमिको, इंजीनियरों से भी जानकारी ली और साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे सभी श्रमिकों का हौसला भी बढ़ाया।

मिल रही जानकारी के अनुसार टनल में फंसी ऑगर मशीन के पार्ट्स को काट कर निकाल लिया गया है। डॉ. पीके मिश्रा ने ऑगर मशीन की ब्लेड एवं साफ्ट को काटने की प्रक्रिया में जुटे श्रमिकों टिंकू दुबे, अमित, शशिकांत, झारू राम, राधे रमण दुबे, ओम प्रकाश, एन.डी अहमद से बात कर उनका कुशलक्षेम जानते हुए उनके काम की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अंदर फंसे श्रमिकों के साथ राहत बचाव कार्य में जुटे सभी लोगों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। मिश्रा ने सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के लिए भेजी जा रही भोजन सामग्री के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को भेजे जा रहे भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। डॉ. पीके मिश्रा ने टनल में एसडीआरएफ द्वारा स्थापित ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप एवं बीएसएनएल द्वारा स्थापित टेलिफोनिक कम्युनिकेशन सिस्टम के माध्यम से अंदर फंसे श्रमिकों में से गब्बर सिंह एवं अन्य लोगों से वार्ता कर उनका हाल चाल जाना। उन्होंने वार्ता के दौरान श्रमिकों से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की बात कही। उन्होंने श्रमिकों से खाने पीने, बिजली पानी की आपूर्ति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने भरोसा दिया कि रेस्क्यू ऑपरेशन हेतु सभी लोग मेहनत कर रहे हैं। कई मोर्चों पर कार्य चल रहा है। सभी को जल्द से जल्द निकाले जाने की कोशिश जारी है। डॉ. पीके मिश्रा ने टनल में फंसे श्रमिकों के परिजनों से भी मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को जल्द ही बाहर निकाल लिया जाएगा। परिजनों के साथ ही पूरा देश उनके शीघ्र और सुरक्षित निकाले जाने की दुआ कर रहा है। उन्होंने कहा पूरे देश की दुआएं अंदर फंसे श्रमिकों के साथ है। परिजनों को हौसला बनाए रखना होगा। सरकार हर स्थिति पर श्रमिकों के परिजनों के साथ खड़ी है। इस दौरान प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार एवं उत्तराखंड सरकार के विशेष कार्याधिकारी भास्कर खुल्बे, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस संधु, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव अनुराग जैन, एमडी एनएचआईडीसीएल महमूद अहमद, सचिव डॉ. नीरज खैरवाल, पीएमओ उप सचिव मंगेश घिल्डियाल, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

आतिशी ने दिल्ली में दूषित जल आपूर्ति की खबरों पर जताई नाराजगी

संवाददाता

नयी दिल्ली। जल मंत्री आतिशी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में दूषित जल आपूर्ति की खबरों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ को पत्र लिखकर स्वच्छ जल उपलब्ध कराने को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की, ताक कि कोई भी अधिकारी लापरवाही न बरतें। डीजेबी अध्यक्ष को लिखे पत्र में आतिशी ने लिखा, मुझे डी–ब्लॉक, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में पानी के दूषित होने के संबंध में एक गंभीर शिकायत मिली है। उन्होंने कहा कि संलग्न तस्वीरों से पता चलता है कि क्षेत्र के निवासियों को गंदा पानी मिल रहा है। उन्ह्वोंने कहा, यह स्वीकार्य नहीं है। यह चौंकाने वाली बात है कि राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों को साफ पानी नहीं मिल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व, देव दीपावली की दी शुभकामनाएं

संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि दूसरों की सेवा करने एवं भाईचारे को आगे बढ़ाने की जो शिक्षा सिखों के पहले गुरु ने दी, वह दुनिया भर में लाखों लोगों को ताकत देती है। गुरु नानक ने सिख धर्म की स्थापना की थी।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर लिखा, ''श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं। उन्होंने दूसरों की सेवा करने और भाईचारे को आगे बढ़ाने पर जोर दिया, जो दुनिया भर के लाखों लोगों को ताकत देता है। मोदी ने रविवार को 'मन की बात कार्यक्रम में भी पहले सिख गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में कहा था कि गुरु नानक के अनमोल संदेश आज भी न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायी और प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि ये संदेश लोगों को सरल, सामंजस्यपूर्ण और दूसरों के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित करते हैं। मोदी ने एक अन्य पोस्ट में देव दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''श्रद्धा, भक्ति और दैवीय उपासना

की भारतीय परंपरा से प्रकाशित पावन पर्व कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली की असीम शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि यह पावन अवसर देशभर के मेरे परिवारजनों के जीवन में नई रौनक और स्फूर्ति लेकर आए। देव दीपावली कार्तिक महीने के अंतिम दिन कार्तिक पूर्णिमा को मनाई जाती है।

ओडिशा: राउरकेला–पुरी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, टूटा शीशा

संवाददाता

भुवनेश्वर। राउरकेला–भुवनेश्वर वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किये जाने से एक्जीक्यूटिव क्लास कोच की खिड़की के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। पूर्व तटीय रेलवे (ईसीआर) के सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि भुवनेश्वर–संबलपुर रेलमार्ग पर ढेंकनाल–अंगुल खंड में मेरामंडली और बुधपंक के बीच कुछ लोगों ने वंदेभारत ट्रेन पर पत्थर फेंके। पथराव से एक्जीक्यूटिव क्लास कोच की खिड़की के शीशे टूट गए। आरपीएफ एस्कॉर्टिंग स्टाफ ने घटना की सूचना दी। ईसीआर की सुरक्षा शाखा ने इसे गंभीरता से लिया है और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क कर दिया है। कटक से आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त घटनास्थल के लिए रवाना हुए हैं। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को भी दी गई है। यह पहली बार नहीं है जब देश में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को निशाना बनाया गया है।

शशि थरूर ने की पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की वकालत

संवाददाता

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने माइक्रोसॉफ्ट के सह–संस्थापक बिल गेट्स और इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति द्वारा कार्य सप्ताहों पर की गई टिप्पणियों पर तंज कसते हुए कहा कि अगर दोनों कोई समझौता करते हैं, तो हम पांच दिन का कार्य सप्ताहष के साथ समाप्त हो जाएंगे। मूर्ति ने हाल ही में सुझाव दिया कि देश की उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए भारत के युवाओं को हर हफ्ते 70 घंटे काम करना चाहिए, जबकि गेट्स ने कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल नौकरी करना नहीं है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण तीन दिन का कार्य सप्ताह संभव है। इन विभिन्न दृष्टिकोणों को अपनाते हुए, थरूर ने रविवार को एक्स पर पोस्ट किया, षबिलगेट्स का कहना है कि तीन दिवसीय कार्य–सप्ताह संभव होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, यदि गेट्स और नारायण मूर्ति एक साथ बैठते हैं और समझौता करते हैं, तो हम पांच–दिवसीय कार्य सप्ताह के परिणाम पर पहुंचेंगे। ऑनलाइन साझा किए इस पोस्ट्ट को 2.5 लाख से अधिक बार देखा गया। एक यूजर ने लिखा, यह हममें से प्रत्येक को तय करना है कि जीने और जितना चाहें उतना बढ़ने के लिए कितना काम करना है। वे भगवान नहीं हैं, वे हमारी तरह अपनी राय रख सकते हैं। एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा, हाहाहा, और यदि एलन मस्क्क उनके साथ जुड़ जाते हैं, तो औसत सप्ताह 10 दिन तक हो सकता है। एक और यूजर ने कहा, बेशक, समाज में कुछ और चीजें भी हैं, बदलाव की जरूरत है, काम के दिनों की नहीं, ऐसी महान शख्सियतों को कुछ और सकारात्मकता पर काम करना चाहिए। इस बीच, मूर्ति की टिप्पणी से सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया। जबकि कुछ लोग मूर्ति से सहमत हैं, अधिकांश लोग इस तरह के कठिन कार्य शेड्यूल के स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों के बारे में सशंकित और चिंतित हैं।

गुजरात में कश्मीर जैसा नजारा, बेमौसम बारिश के साथ जमकर गिरे ओले, 20 लोगों की मौत

संवाददाता

अहमदाबाद। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश के दौरान बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के विभिन्न शहरों में खराब मौसम और बिजली गिरने से लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया और कहा कि स्थानीय प्रशासन राहत कार्य में जुटा है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के एक अधिकारी के अनुसार, गुजरात के विभिन्न हिस्सों में वर्षाजनित हादसों में अब तक 20 लोगों की मौत होने की सूचना मिली है।

इन सभी लोगों की मौत बेमौसम बारिश के दौरान बिजली गिरने से हुई। एसईओसी अधिकारी ने बताया कि दाहोद जिले में चार, भरूच में तीन, तापी में दो और अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, बोटाद, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, साबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर और देवभूमि द्वारका में एक–एक व्यक्ति की मौत हो गई। शाह ने रविवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर लिखा, ''गुजरात के विभिन्न शहरों में खराब मौसम और बिजली गिरने से कई लोगों की मौत होने की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस त्रासदी में अपने प्रियजन को खोने वाले लोगों को जो अपूरणीय क्षति हुई, उसके लिए मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन राहत कार्य में जुटा हुआ है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि सोमवार को बारिश कम होने की संभावना है। एसईओसी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, गुजरात की 252 तालुका में से 234 में रविवार को बारिश हुई। सूरत, सुरेंद्रनगर, खेड़ा, तापी, भरूच और अमरेली जिलों में 16 घंटे में 50–117 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया और फसल को नुकसान हुआ। राजकोट के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि बारिश से फसलों के नुकसान के अलावा सौराष्ट्र क्षेत्र के मोरबी जिले में फैक्टरियां बंद किए जाने से सिरेमिक उद्योग भी प्रभावित हुआ। आईएमडी के अहमदाबाद केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा कि सोमवार को बारिश कम होगी और दक्षिण गुजरात एवं सौराष्ट्र जिलों के कुछ हिस्सों में केंद्रित रहेगी।

डीजल वाहनों की मियाद 10 वर्ष, टैक्स ले रहे 15 वर्ष का : सैलजा

संवाददाता

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिच एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने डीजल वाहनों पर लिये जाने वाले टैक्स का ज्वलंत मुद्दा उठाया है तथा स्क्रैप नीति में निजी उपयोग वाले वाहनों के लिये मियाद 15 वर्ष तय करने की हरियाणा सरकार से मांग की है। सुश्री सैलजा ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने डीजल वाहनों की मियाद 10 वर्ष तय की है लेकिन वह इनके पंजीकरण पर टैक्स 15 साल के लिये वसूल रही है। उन्होंने कहा कि जब डीजल वाहनों पर टैक्स 15 वर्ष के लिये लिया जा रहा है तो उन्हें 10 वर्ष पूरे होने पर स्क्रैप पॉलिसी के अंतर्गत लाना सरासर गलत और लोगों की जेब पर डाका डालने का कुत्सित प्रयास है। उन्होंने इस सम्बंध में हरियाणा में भी डीजल वालों पर 15 वर्ष के लिये टैक्स लिये जाने का मुद्दा उठाया है जबकि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिलों में डीजल वाहनों की मियाद दस वर्ष कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसे जिलों में डीजल वाहनों पर 15 वर्ष के लिये टैक्स वसूल कर चुकी है। सुश्री सैलजा ने हरियाणा सरकार से भी डीजल वाहनों के पंजीकरण तथा इनकी मियाद 15 वर्ष तक करने के लिये मोटर वाहन पंजीकरण अधिनियम में संशोधन करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को स्क्रैप नीति में निजी उपयोग वाले डीजल वाहनों लिये मियाद 15 वर्ष तय करनी चाहिये। इससे पहले इन वाहनों को स्क्रैप करने का सरकार का फैसला पूरी तरह से जनविरोधी और लोगों को परेशान करने वाला है।

केजरीवाल पर भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का लगाया आरोप

संवाददाता

नयी दिल्ली। भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का आरोप लगाते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जल्द ही जेल के सलाखों के पीछे जाने का दावा किया है।

भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि शराब घोटाले, डीटीसी बस घोटाले, क्लास रूम घोटाले और शीशमहल घोटाले के बाद अब दिल्ली जल बोर्ड में भी घोटाला सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के पीएचडी होल्डर केजरीवाल इन सब घोटालों के किंगपिन हैं। लेकिन अगर उन्हें लगता है कि वह संवैधानिक पद पर बैठकर घोटाले पर घोटाला करते रहेंगे और जांच एजेंसी चुप रहेगी, तो ऐसा नहीं होगा। केजरीवाल को इस गुमान में नहीं रहना चाहिए और वह दिन दूर नहीं है जब अपने तमाम भ्रष्टाचार के लिए अरविंद केजरीवाल भी सजा पाएंगे और जेल की सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की भी मांग की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार, बेईमानी, घोटालों, कमीशनखोरी और लूट–खसोट का देश में कोई विशेषज्ञ नेता है, तो वो आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हैं।

दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का आरोप लगाते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को 2 कैटेगरी में बांटा गया। पहली कैटेगरी में केवल अपग्रेडेशन होना था और दूसरी कैटेगरी में क्षमता बढ़ाने का काम होना था। 2022 में दिल्ली जल बोर्ड ने इसके ठेके दिए, जिनकी कुल वैल्यू 1,938 करोड़ रुपये के आसपास थी जबकि इसकी अनुमानित लागत सिर्फ 1,500 करोड़ रुपए थी, इसका सीधा मतलब है कि इसमें इनके द्वारा स्वयं लगवाए गए एस्टीमेट में 30 प्रतिशत की वृद्धि कर के ठेके दिए गए। उन्होंने कहा कि इन 10 प्रोजेक्ट के लिए 10 डीपीआर बननी थी, लेकिन दो ही बनवाए गए और इसे सभी 10 पर लागू कर दिया गया।

गुरु नानक जयंती की शुभकामनाएं दी धनखड़ ने

संवाददाता

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को गुरु नानक जयंती की शुभकामनाएं दी है। श्री धनखड़ ने सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा "गुरु नानक की शिक्षाएं मानवता के लिए हैं जो एकता, समानता, दयाभाव और निस्वार्थ सेवा पर बल देती हैं। उनका सहिष्णुता और असीमित सद्भाव का संदेश मानवता के लिए मार्गदर्शक है।

धुंध की चादर में डूबी दिल्ली, कई स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में

संवाददाता

नयी दिल्ली। सोमवार की सुबह दिल्ली में स्मॉग छाया रहा, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के कई निगरानी स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में आ गई। सीपीसीबी के अनुसार, आनंद विहार स्टेशन पीएम 10 421 और पीएम 2.5 के साथ गंभीर श्रेणी में था, जबकि ओजोन मध्यम श्रेणी में 190 तक गिर गया और सीओ 95, संतोषजनक स्तर पर था।

बवाना स्टेशन पर पीएम 2.5 432 पर पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में है और पीएम 10 366 पर है, जो बहुत खराब श्रेणी में है, जबकि ओजोन मध्यम श्रेणी में 190 तक गिर गया और सीओ 95, संतोषजनक स्तर पर था। द्वारका सेक्टर–8 स्टेशन में पीएम 2.5 425 पर पहुंच गया और पीएम 10 405 पर, दोनों गंभीर श्रेणी में जबकि सीओ 110 पर, मध्यम स्तर पर था। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे टी3 क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब थी, पीएम 2.5 372 और पीएम 10 316 दर्ज किया गया, जबकि सीओ 111 पर गिरकर श्मध्यमश श्रेणी में आ गया और एनओ2 20 पर, अच्छे स्तर पर था। आईटीओ स्टेशन पर, पीएम 2.5 गिरकर 500 पर और पीएम 10 435 पर था, दोनों गंभीर श्रेणी में थे, जबकि एनओ2 290 पर पहुंच गया, जो खराब श्रेणी में था। जहांगीरपुरी में पीएम 2.5 451 दर्ज किया गया और पीएम 10 435 तक पहुंच गया, जो दोनों को गंभीर श्रेणी में रखता है। यहां कार्बन मोनोऑक्साइड 82 पर संतोषजनक स्तर पर और एनओ2 18 पर अच्छी श्रेणी में था।

सम्पादकीय

लोकतंत्र बनाम लोभतंत्र

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में लोकलुभावने वायदों और गारंटियों का जो कोलाहल सुना जा रहा है, वह कालांतर देश के आर्थिक अनुशासन व योग्य जनप्रतिनिधियों के चयन के लिये एक चुनौती बन सकता है। इसमें दो राय नहीं कि सामाजिक न्याय के लिये समावेशी विकास वक्त की जरूरत है, लेकिन यह जुमलों से परे कमजोर वर्गों के स्थायी कल्याण के लिये होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि रेवड़िया बांटने का खेल देश में पहले नहीं होता था, लेकिन आज जिस पैमाने पर हो रहा है, वह हर देशभक्त की चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं, मुफ्त की गारंटियों का यह खेल जवाबदेह प्रशासन व आर्थिक स्थिरता पर कालांतर गहरी चोट करेगा। वहीं ये गतिविधियां एक जिम्मेदार लोकतंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। यह विडंबना है कि लोग जनप्रतिनिधि की योग्यता की प्राथमिकता को दरकिनार करके संकीर्ण सोच के लाभों को प्राथमिकता देने लगे हैं। इस दूषित परंपरा से राजनेताओं और जनता का प्रलोभन विस्तार ले रहा है। यह टकसाली सत्य है कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से हमारी अर्थव्यवस्था व विवेकशील सुशासन पर घातक असर पड़ता है। अंततरू रेवड़ी संस्कृति का आर्थिक दबाव सरकारी संसाधनों पर पड़ता है। राज्यों के आर्थिक संसाधन सीमित हैं। ऐसे में बांटा गया धन कालांतर हमारे बुनियादी ढांचे व विकास परियोजनाओं के लिये निर्धारित धन में कटौती करता है। निश्चित रूप से समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक संबल दिया जाना चाहिए। लेकिन जरूरत ठोस आर्थिक विकास व रोजगार के अवसर सृजन की होनी चाहिए। वक्त की जरूरत है कि मतदाताओं को लालीपॉप देने के बजाय उन्हें ऐसे अवसर दिये जाने चाहिए ताकि वे कालांतर आत्मनिर्भर बन सकें। फिर वे देश के आर्थिक विकास में स्थायी योगदान दें। लेकिन इस तरह मुफ्त की योजनाओं और गारंटियों से सिर्फ हमारा राजकोषीय घाटा ही बढ़ेगा। मतदाता यदि किसी राजनीतिक दल की दूरगामी नीतियों व विकास योजनाओं को नजरअंदाज करके तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता देगा तो भविष्य में उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। मतदाता का लोभ हमारी चुनाव प्रक्रिया को भी संकट में डालता है। जाहिर बात है कि मुफ्तखोरी की संस्कृति के बूते सत्ता में आने वाला नेता कालांतर सरकारी संसाधनों के दोहन को अपनी प्राथमिकता बनायेगा। जो धन उसने चुनाव के दौरान बांटा है उसका कई गुना येन–केन–प्रकारेण वसूलेगा। जिससे लोकतंत्र में लूटतंत्र की मानसिकता को प्रोत्साहन मिल सकता है। सही मायनों में मुफ्त के उपहारों की हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विफलता है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी हम अपने लोकतंत्र को इतना सजग व समृद्ध नहीं बना पाये कि मतदाता अपने विवेक से अपना दूरगामी भला–बुरा सोचकर मतदान कर सके। अतीत के अनुभव बताते हैं कि जिस भी राज्य ने मुफ्त खाद्यान्न,पानी, बिजली व सब्सिडी बांटी है उसकी अर्थव्यवस्था भविष्य में चरमराई ही है। सही मायनों में मुफ्त कुछ नहीं होता, वह करदाताओं की पसीने की कमाई से पैदा होता है। देश को कल्याणकारी नीतियों की जरूरत है,लेकिन वह आर्थिक अनुशासन और राजकोषीय विवेक पर आधारित होना चाहिए।

बिहार में लागू 75 प्रतिशत आरक्षण, अब पूरे देश में इसकी होगी होड़!

बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़ाने का कानून लागू हो गया है। छत्तीसगढ़ और झारखंड से उलट बिहार में राज्यपाल ने आरक्षण बढ़ाने के लिए विधानसभा से पास किए गए कानून को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 18 नवंबर को शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की सीमा बढ़ाने के दो विधेयकों को मंजूरी दी और राज्य सरकार ने 21 नवंबर को इसकी गजट अधिसूचना जारी करके इसे लागू करने का ऐलान कर दिया।

इस कानून के लागू होने के बाद बिहार में आरक्षण की सीमा 75 फीसदी हो गई है। इसमें 65 फीसदी आरक्षण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जाति और अत्यंत पिछड़ी जातियों का है और 10 फीसदी आरक्षण आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण जातियों के लिए है, जिसे संविधान में एक संशोधन के जरिए केंद्र सरकार ने लागू किया है। राज्य सरकार ने 10 फीसदी ईडब्लुएस आरक्षण को जस का तस रखा है।

बिहार सरकार ने आरक्षण में 15 फीसदी का इजाफा करते हुए एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी के आरक्षण को 50 से बढ़ा कर 65 फीसदी कर दिया है। इसमें पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 से बढ़ा कर 18 फीसदी, अत्यंत पिछड़ी जातियों का आरक्षण 18 से बढ़ा कर 25 फीसदी, एससी का 19 से बढ़ा कर 20 और एसटी का एक से बढ़ा कर दो फीसदी किया गया है। आरक्षण की सीमा बढ़ाने से पहले राज्य सरकार ने सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण कराया, जिसे आम बोलचाल की भाषा में जाति गणना कहा गया। हाई कोर्ट की ओर से लगाई गई रोक हटाए जाने के बाद राज्य सरकार ने गणना का काम पूरा कराया और दो चरणों में उसके आंकड़े पेश किए। पहले दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के दिन जातियों के आंकड़े जारी किए और फिर सात नवंबर को शीतकालीन सत्र में सामाजिक–आर्थिक विकास के आंकड़े पेश किए। इसके दो दिन बाद नौ नवंबर को आरक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव दोनों सदनों से पास कराया। जाति गणना के आंकड़ों के मुताबिक बिहार में सबसे ज्यादा 36 फीसदी आबादी अत्यंत पिछड़ी जातियों की है। उसके बाद 27 फीसदी पिछड़ी जातियों की आबादी है। अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 फीसदी और अनुसूचित जनजाति की आबादी एक फीसदी है। हिंदू और मुस्लिम दोनों की सवर्ण आबादी 15 फीसदी से कुछ ज्यादा है।

आरक्षण बढ़ा कर राज्य सरकार ने 27 फीसदी पिछड़ों के लिए 18 फीसदी और 36 फीसदी अत्यंत पिछड़ों के लिए 25 फीसदी आरक्षण कर दिया है। अनुसूचित जाति को उसकी आबादी के बराबर यानी 20 फीसदी आरक्षण दिया है तो अनुसूचित जनजाति को उसकी आबादी का दोगुना यानी दो फीसदी आरक्षण दिया है। आरक्षण बढ़ाने के लिए पास किए गए दोनों विधेयकों में इस बात का जिक्र किया गया है कि राज्य की आबादी के साढ़े 15 फीसदी सवर्णों के लिए 10 फीसदी ईडब्लुएस का आरक्षण लागू है। बिल में यह भी साफ किया गया है कि सवर्णों की आबादी और उनको मिले आरक्षण का अनुपात 64.5 फीसदी बनता है। यानी उनको आबादी के अनुपात में बहुत ज्यादा आरक्षण मिला हुआ है। आरक्षण की सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन भाजपा ने भी किया था और इसलिए राज्यपाल को मंजूरी देने में दिक्कत नहीं हुई। मंजूरी मिलने और कानून बनने के बाद अब राज्य सरकार चाहती है कि इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए ताकि इसे कानूनी चुनौती नहीं दी जा सके। लेकिन फिलहाल ऐसा नहीं होगा। इसे कानूनी चुनौती मिलेगी।

बिहार में आरक्षण बढ़ाए जाने का कानून बनने के बाद अब पूरे देश में इसकी होड़ बढ़ेगी। भाजपा विरोधी पार्टियों की राज्य सरकारें अपने राज्य में आरक्षण बढ़ाने का प्रयास शुरू करेंगी। चूंकि बिहार में राज्यपाल ने विधानसभा से पास विधेयकों को मंजूरी दे दी है इसलिए दूसरे राज्यों में राज्यपालो के लिए इसे रोकना मुश्किल होगा। इसकी शुरुआत झारखंड और छत्तीसगढ़ से हो सकती है, जहां पहले से आरक्षण बढ़ाने का बिल पास किया हुआ है। झारखंड सरकार ने पिछड़ी जातियों का आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ा कर 27 फीसदी, अनुसूचित जाति का आरक्षण 10 से बढ़ा कर 12 और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 26 से बढ़ा कर 28 फीसदी करने का प्रस्ताव विधानसभा से पास कराया था।

सोशल मीडिया पर नग्नता का नंगा नाच

डॉ. सत्यवान सौरभ

जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया कहा मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है।सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है – हमारे घरों के छोटे–छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता–पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता–पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है।अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता ? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नही है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार–तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नही अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके। हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुर्गुणों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फिल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मो मे अश्लील,आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरमार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मो का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और खुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो।स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वो भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है की अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है। आचार्य कौटिल्य ने चाणक्य सूत्र में वासनाश को सबसे बड़ा नशा और बीमारी बताया है। यदि यह नग्नता आधुनिकता का प्रतीक है तो फिर पूरा नग्न होकर स्त्रियां पूर्ण आधुनिकता का परिचय क्यों नहीं देती? गली– गली और हर मोहल्ले में जिस तरह शराब की दुकान खोल देने पर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है उसी तरह अश्लीलता समाज में यौन अपराधों को जन्म देती है। इसको किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विचार करिए और चर्चा करिए या फिर मौन धारण कर लीजिए।

सुरंग में जीवन, तो आस्मां में छवि की तलाश

ऐसे वक्त में जब उत्तरकाशी स्थित सिल्क्यारा की धसकी हुई सुरंग में 14 दिनों से 41 मजदूर फंसे पड़े हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गगन में लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भर रहे हैं। पिछले करीब एक हफ्ते से लग रहा था कि अंधेरी सुरंग में मजदूर कभी भी बाहर आ सकते हैं, लेकिन हर गुजरता दिन बेनतीजा साबित हो रहा है। इन सबसे बेपरवाह मोदी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। एक राज्य से निकलकर दूसरे राज्य में चुनावी रैलियों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान में गुरुवार की शाम को प्रचार अभियान थमने के तुरन्त बाद मोदी मथुरा पहुंचे जहां उन्होंने ब्रज रज उत्सव के नाम से आयोजित मीरा जन्मोत्सव में हिस्सा लिया। फिर वे शुक्रवार की अल्लसुबह कृष्णजन्मभूमि में उस स्थान पर भगवा वस्त्र धारण कर पहुंचे जहां श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। शनिवार को सुरंग में बचाव अभियान इसलिये रुक गया क्योंकि ड्रिलिंग के दौरान ऑगर मशीन की ब्लेड सरियों से टकराकर टूट गई। अब मलबे को हाथ से हटाये जाने की तैयारी है और मजदूरों को बाहर का सूरज देखने के लिये अभी इंतजार करना पड़ सकता है। यह विडंबना ही है कि बचाव अभियान की समीक्षा करने या मजदूरों की खोज–खबर लेने या फिर इस बाबत कोई बात करने की बजाये पीएम की वरीयता लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भरने की है। वैसे मोदी नामक फिनोमिना में यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं रह गयी है क्योंकि देश उन्हें पिछले तकरीबन साढ़े नौ वर्षों से यही सब करता हुआ देख रहा है। उनके इस कार्यकाल में अनगिनत घटनाएं ऐसी हुई हैं जिनमें प्रधानमंत्री उन्हें नजरंदाज कर या आवश्यक कार्रवाई न कर गैरजरूरी काम करते हुए दिखे हैं। छोटी–मोटी घटनाओं को एक तरफ कर दें तो 20 जवानों को लील लेने वाले पुलवामा में सीआरपीएफ की टुकड़ी पर आतंकी हमला होने के बावजूद मोदी वन्य जीवन पर शूटिंग करने में व्यस्त थे। जम्मू–कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कई बार उनसे बात करने की कोशिश की लेकिन वे संचार प्रणाली की पहुंच से बाहर थे। शाम को जब उनसे बात हुई भी तो मोदी ने उनसे चुप रहने के लिये कहा। मणिपुर में उन्हें जाने का कभी भी समय नहीं मिला जो हिंदू मैतेई एवं ईसाई कुकी सम्प्रदायों के परस्पर टकराव से जल रहा है। लगभग आठ महीनों में वहां अनेक हत्याएं हुई हैं। अब भी जारी हैं। हजारों मकान जल

गये हैं, बड़ी तादाद में लोग शरणार्थी शिविरों में बसर कर रहे हैं। तो भी वहां जाना तो दूर की बात है, मोदी ने इस बाबत मुंह से तब तक एक शब्द भी नहीं निकाला जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को यह चेतावनी नहीं दे दी कि अगर वह कुछ नहीं करती तो शीर्ष न्यायालय ही कोई कदम उठायेगा। जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें प्रचार के दौरान मोदी ने मुद्दों पर कम बात की और विरोधी दलों के नेताओं पर व्यक्तिगत हमले और उनकी छवि को धूमिल करने के ही अधिक प्रयास किये। मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं– सोनिया–राहुल–प्रियंका गांधी तथा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर मोदी अपने खास सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं स्टार प्रचारकों के साथ विशेष आक्रामक रहे हैं। उनकी छवि पर बड़े हमलों का कारण यह भी है कि मोदी की अपनी छवि लगातार दरक रही है। सिलसिलेवार प्रशासनिक असफलताओं के कारण अब उनकी योग्यता पर सवाल उठने लगे हैं। इनके चलते, प्रमुख प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, जहां मतदान हो चुका है उन सभी में भाजपा की पराजयों के अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं। तीनों राज्यों में स्थानीय नेतृत्व को दरकिनार कर दिया गया है और चुनाव मोदी के चेहरे पर ही लड़ा गया है। ऐसे में आने वाले समय में मोदी की छवि के पूर्णतः ध्वस्त होने की भी पूरी सम्भावना बताई जा रही है। इन तमाम परिस्थितियों में मोदी को अपनी छवि को दुरुस्त करने और नये सिरे से निखारने की जरूरत है। तेजस के कॉकपिट में बैठकर शून्य में मोदी न जाने किसे हाथ लहरा रहे हैं, लेकिन यह बात तो साफ है कि वे अपनी छवि को नयी ऊंचाइयां देने के लिये संघर्षरत हैं जिसे उन्हें अगले वर्ष के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों तक संजोकर रखना होगा। ऐसा न होने पर चुनाव जीतने की बात तो दूर है, उनकी दावेदारी तक को स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसलिये मोदी को क्रिकेट विश्व कप का अंतिम मुकाबला उन्हीं के नाम पर बने अहमदाबाद के स्टेडियम में कराना पड़ता है जबकि ऐसे आयोजनों के लिये मुम्बई का वानखेड़े या कोलकाता का ईडन गार्डन स्टेडियम अपनी ऐतिहासिकता और खेल सन्दर्भों के कारण कहीं अधिक मुफीद माना जाता है। जैसा कि अब खुलासा हुआ है, विश्व कप जीतने पर ट्रॉफी के साथ मोदी की राजस्थान में भव्य यात्रा निकालने की योजना थी ताकि उसका सियासी लाभ लिया जा सके, लेकिन जिस जीत का श्रेय वे लेना चाहते थे, वह मुकाबला भारत हार गया और वे जनता से मिले नये नाम श्पनौतीश को खुद पर चस्पां कर स्टेडियम से बाहर निकले। उनका गुस्सा निर्वाचन आयोग के जरिये राहुल को जारी नोटिस से निकला। बहरहाल, तेलंगाना को छोड़कर, जहां प्रचार मंगलवार को थम जायेगा, सभी जगहों पर (उपरोक्त के अलावा मिजोरम भी) मतदान हो गया है। इसके मद्देनजर मोदी के पास एक और डबल इंजिन वाले राज्य उत्तराखंड की सुरंग में फंसी 41 जिंदगियों के लिये चिंता करने का समय नहीं है। उन्हें आकाश में उड़ान भरकर पहले अपनी छवि को गगनचुंबी बनाना है।

मध्यम कद के शहरों का स्मार्ट सिटी में परिवर्तन

संजीव ठाकुर

बड़े विदेशी शहरों के अनुरूप भारत में भी ऐसे बड़े शहरों की जरूरत महसूस हो रही है,जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सके। ऐसे शहरों को स्मार्ट सिटी का नाम दिया जा रहा हैस जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें ,पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सकेस और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे–बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके।, आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया हैस पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के मेट्रोपॉलिटन शहरों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती हैस यदि दूसरे तरीके से

और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी,भोजन,घर आदि की उपलब्धता के साथ–साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा,शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों,10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों, सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है। नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर,कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना मैं विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान–प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा। स्मार्ट शहरों को विध्वंसक कार्रवाई यों और चोरी डकैती आदि से बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी की निगरानी में 24 घंटे रखा जाना होगा ।इसके साथ ही संतुलित जीवन के लिए पर्यावरण संतुलन भी अत्यंत आवश्यक होगा। देश में बड़ी संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित देशों की ओर अग्रसर होने में बहुत मदद मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा ।परंतु इस नई परियोजना को मूर्त रूप देने में कई विघ्न बाधाएं एवं चुनौतियां भी हैं। जनता निर्विवाद रूप से कठिनाइयों से निपटने के बाद ही सपनों के शहर को बस बसाना आसान होगा। इन प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए शहरी तथा ग्रामीण कानूनों में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। यदि देश का प्रत्येक नागरिक सरकार के अधीन प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग देकर अपना योगदान दें, तो निश्चय ही अगले दो दशकों में भारत में सैकड़ों स्मार्ट सिटी निर्मित हो सकेगी ।और आम नागरिकों को जन सुविधाओं के साथ भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा।

बीएसए ने औचक निरीक्षण कर जाना बेसिक शिक्षा का हाल, शिक्षक निलम्बित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से परिषदीय स्कूलों में चल रहे निरीक्षण अभियान के तहत मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विकासखण्ड मुफ्तीगंज व केराकत के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शासन द्वारा विद्यालयों मे संचालित योजनाओं एवं अध्ययनरत छात्रों के अधिगम स्तर की जाँच की गयी।

कम्पोजिट विद्यालय भदेवरा वि0क्षे0 मुफ्तीगंज के निरीक्षण के दौरान बी0एस0ए0 डा0 गोरखनाथ पटेल विद्यालय की प्रातः कालीन सभा मे सम्मिलित हुए तथा सभा मे उपस्थित छात्रों से सामान्य ज्ञान विषय के अंतर्गत भारत देश के विभिन्न राज्यों एवं राजधानियों का नाम पूछा गया। विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक जाफर अब्बास, श्री दुर्गेश मौर्य पूर्वान्ह 09:10 व सहायक अध्यापक अभिजीत कुण्डू, अनुदेशक श्री सचिन राजभर व श्री रामनारायण यादव निरीक्षण के दौरान पूर्वान्ह 09:20 पर विद्यालय मे उपस्थित हुए। उक्त अध्यापकों द्वारा शासन द्वारा निर्गत टाइम एण्ड मोशन शासनादेश का अनुपालन न किये जाने के कारण बी0एस0ए0 डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा निरीक्षण तिथि का वेतनध्मानदेय अवरूद्ध करते हुये स्पष्टीकरण निर्गत किया गया। विद्यालय पर कार्यरत शेष अन्य अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 342 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 213 छात्र उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन बानाये जाने हेतु कार्यवाही गतिमान पायी गयी। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मध्यान्ह भोजन पंजिका के अवलोकन मे डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि गत तीन कार्य दिवसों मे क्रमशः 173, 158, 220 छात्रों द्वारा मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया हुआ प्राप्त हुआ। बीएसए द्वारा कक्षा 08 के छात्रों से गणित के प्रश्न पूँछे जाने पर छात्रों द्वारा छात्रों द्वारा सही–सही हल नहीं किया जा सका। मौके पर ही बीएसए डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए गणित शिक्षक श्री जुगेश कुमार मौर्य को छात्रों के अधिगम स्तर मे सुधार सम्बंधी आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। बीएसए द्वारा विद्यालय मे उपलब्ध खेलकूद सामग्री, गणित एवं विज्ञान किट का अनुश्रवण किये जाने पर पाया गया कि छात्रों को उपलब्ध करायी गयी बैडमिन्टन काक का पैकेट अभी खोला ही नहीं गया है एवं बैडमिंटन विद्यालय मे उपलब्ध नहीं है। विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 75000 रूपए के सापेक्ष सम्पूर्ण धनराशि को विद्यालय द्वारा खर्च किया गया पाया गया, परंतु सम्बंधित प्रधानाध्यापक द्वारा आय–व्यय के विवरण को आय–व्यय पंजिका में अद्यतन नहीं किया गया था। जिसके जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए विद्यालय मे कार्यरत प्रधानाध्यापक का अग्रिम आदेश तक वेतन अवरूद्ध करते हुए स्पष्टीकरण निर्गत किया गया।

प्राथमिक विद्यालय भदेवरा हरिजन बस्ती वि0क्षे0 मुफ्तीगंज' निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पाया गया कि विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापक अजय कुमार मिश्र बिना किसी पूर्व सूचना के विद्यालय मे अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये, जिसके कारण बीएसए द्वारा श्री मिश्र का निरीक्षण तिथि का वेतन अवरूद्ध कर दिया गया। शेष अन्य समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 111 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 65 छात्र उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बनता हुआ पाया गया।कक्षा 3 के छात्रों से भाषा विषय के प्रश्न किये जाने पर सिर्फ तीन छात्रों द्वारा ही सही–सही उत्तर प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के बाउंडीवाल पर बाल पेंटिंग का अभाव पाया गया। विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 50000 रूपए के सापेक्ष कुल धनराशि व्यय की हुयी प्राप्त हुयी। आय–व्यय पंजिका के सम्बंध में प्रभारी प्रधानाध्यापिका द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को बताया गया कि पंजिका को उनके द्वारा अपने घर पर रखा गया है। विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों का अधिगम स्तर संतोषजनक न पाये जाने व प्रधानाध्यापिका द्वारा टाइम एण्ड मोशन शासनादेश का अनुपालन न किये जाने के कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए विद्यालय मे कार्यरत प्रधानाध्यापक का अग्रिम आदेश तक वेतन अवरूद्ध करते हुए स्पष्टीकरण निर्गत किया गया।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय बगथरी वि0क्षे0 मुफ्तीगंज निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापिका श्रीमती नेहा सिंह आकस्मिक अवकाश पर हैं तथा शेष अन्य समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 76 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 12 छात्र उपस्थित पाये गये, जबकि मध्यान्ह भोजन पंजिका मे सम्बंधित प्रधानाध्यापक द्वारा गत तीन कार्य दिवसों मे क्रमशः 46, 46, 40 मध्यान्ह भोजन ग्रहण किये गये छात्रों की संख्या अद्यतन की गयी थी। विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 25000 रूपए के सापेक्ष कुल धनराशि व्यय पायी गयी। परन्तु प्रधानाध्याक द्वारा व्यय की गयी धनराशि के सापेक्ष आय–व्यय पंजिका नहीं अवलोकित करायी गयी। विद्यालय मे रंगाई–पुताई व बाउंड्रीवाल पर बाला पेंटिंग का अभाव पाया गया तथा विद्यालय के मल्टीपल हैण्डवाश टूटे हुये पाये गये। जिसके कारण बीएसए डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए विद्यालय मे कार्यरत प्रधानाध्यापक का अग्रिम आदेश तक वेतन अवरूद्ध करते हुए स्पष्टीकरण निर्गत किया गया।

कम्पोजिट विद्यालय पलिया सूरतपुर, वि0क्षे0–मुफ्तीगंज के निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापक अनिल कुमार आकस्मिक अवकाश पर हैं तथा शेष अन्य समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 137 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 81 छात्र उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बनता हुआ पाया गया। छात्र उपस्थिति पंजिका के अवलोकन मे बीएसए डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि विद्यालय द्वारा निरीक्षण तिथि को अनुपस्थित पाये गये छात्रों के विवरण को पंजिका मे अद्यतन नहीं किया गया है। विद्यालय प्रांगण मे छात्रों हेतु नव निर्मित टीन शेड का निर्माण अधूरा पाये जाने पर मौके पर ही बीएसए डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी मुफ्तीगंज से वार्ता कर निर्माण कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। मध्यान्ह भो निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मध्यान्ह भोजन पंजिका के अवलोकन मे डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि गत तीन कार्य दिवसों मे क्रमशः 92, 86, 82 छात्रों द्वारा मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया हुआ प्राप्त हुआ। विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 50000 रूपए के सापेक्ष कुल धनराशि व्यय पायी गयी। परन्तु प्रधानाध्याक द्वारा व्यय की गयी धनराशि के सापेक्ष आय–व्यय पंजिका अवलोकित नहीं करायी गयी। विद्यालय मे रंगाई–पुताई व बाला पेंटिंग आदि का अभाव पाया गया। विद्यालय का शौचालय साफ–सुथरा नहीं पाया गया। बीएसए द्वारा विद्यालय मे अध्ययनरत कक्षा 04 व 05 के छात्रों से गुड मार्निंग शब्द की अंग्रेजी ब्लैक–बोर्ड पर लिखवाये जाने पर किसी भी छात्र द्वारा शब्द की सही–सही स्पेलिंग बोर्ड पर नहीं लिखी जा सकी। विद्यालय मे प्राप्त उपरोक्त कमियों व विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों का अधिगम स्तर संतोषजनक न पाये जाने के कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक का अग्रिम आदेश तक वेतन अवरूद्ध करते हुये विद्यालय मे कार्यरत अन्य समस्त अध्यापकों को स्पष्टकरण निर्गत किया गया।

प्राथमिक विद्यालय मुर्की, वि0क्षे0–मुफ्तीगंज' बीएसए द्वारा प्राथमिक विद्यालय मुर्की, वि0क्षे0–मुफ्तीगंज का पूर्वान्ह 11.40 पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापक मुकेश कुमार यादव आकस्मिक अवकाश पर हैं तथा शेष अन्य समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 151 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 110 छात्र उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बनता हुआ पाया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मध्यान्ह भोजन पंजिका के अवलोकन मे डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि गत तीन कार्य दिवसों मे क्रमशरू 103, 107, 113 छात्रों द्वारा मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया हुआ प्राप्त हुआ। विद्यालय द्वारा गत शैक्षिक सत्र 2022–23 मे 173 छात्रों के सापेक्ष 105 छात्रों की डी0बी0टी0 की हुयी प्राप्त हुयी। विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 50000 रूपए के सापेक्ष कुल धनराशि व्यय की गयी है। विद्यालय का भौतिक परिवेश शिक्षण अनुकूल पाया गया। विद्यालय प्रिंट रिच सामग्री से परिपूर्ण पाया गया। जिसके कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय मे कार्यरत प्रधानाध्यापक सहित समस्त शैक्षणिक कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुये विद्यालय को निपुण बनाये जाने हेतु समस्त कर्मचारियों को दिशा–निर्देश निर्गत किये गये।

'कम्पोजिट विद्यालय सरकी, वि0क्षे0–मुफ्तीगंज' निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापिका श्रीमती वन्दना सिंह व श्रीमती आस्था आकस्मिक अवकाश पर हैं तथा शेष अन्य समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 211 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 78 छात्र उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बनता हुआ पाया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मध्यान्ह भोजन पंजिका के अवलोकन मे डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि गत तीन कार्य दिवसों मे क्रमशः 113, 109, 119 छात्रों द्वारा मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया हुआ प्राप्त हुआ। बीएसए डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों का मूल्यांकन किये जाने पर छात्रों का अधिगम स्तर न्यून पाया गया। विद्यालय द्वारा गत शैक्षिक सत्र 2022–23 मे 225 छात्रों के सापेक्ष 217 छात्रों की डी0बी0टी0 की हुयी प्राप्त हुयी। विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 50000 रूपए के सापेक्ष कुल धनराशि व्यय की गयी है। परन्तु प्रधानाध्यापक द्वारा व्यय की गयी धनराशि के सापेक्ष आय–व्यय पंजिका जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल को अवलोकित नहीं करायी जा सकी। विद्यालय की रंगाई–पुताई की गयी नहीं प्राप्त हुई। विद्यालय का भौतिक परिवेश शिक्षण अनुकूल नहीं पाया गया। विद्यालय मे प्रिंट रिच सामग्री का अभाव पाया गया। जिसके कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय मे कार्यरत प्रधानाध्यापक को निलम्बित व अन्य समस्त अध्यापकों को स्पष्टीकरण निर्गत किया गया।

प्राथमिक विद्यालय डेहरी प्रथम, वि0क्षे0–केराकत के निरीक्षण के दौरान बीएसए द्वारा प्राथमिक विद्यालय मे कार्यरत समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 110 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 74 छात्र उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बनता हुआ पाया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मध्यान्ह भोजन पंजिका के अवलोकन मे डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि गत तीन कार्य दिवसों मे क्रमशरू 67, 72, 70 छात्रों द्वारा मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया हुआ प्राप्त हुआ। बीएसए डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों का मूल्यांकन किये जाने पर छात्रों का अधिगम स्तर न्यून पाया गया। विद्यालय द्वारा गत शैक्षिक सत्र 2022–23 मे 121 छात्रों के सापेक्ष 107 छात्रों की डी0बी0टी0 की हुयी प्राप्त हुयी। विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 25000 रूपए के सापेक्ष कुल धनराशि व्यय की गयी है। विद्यालय मे प्रिंट रिच सामग्री का अभाव पाया गया। जिसके कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय मे कार्यरत प्रधानाध्यापक सहित समस्त अध्यापकों को स्पष्टीकरण निर्गत किया गया।प्राथमिक विद्यालय कन्या डेहरी, वि0क्षे0–केराकत' निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि विद्यालय मे कार्यरत सहायक चन्दन गुप्ता दिनांक 20 नवम्बर .2023 से निरीक्षण तिथि तक बिना किसी पूर्व सूचना के विद्यालय में अनधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं। जिसके कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा चन्दन गुप्ता सहायक अध्यापक को निलम्बित कर दिया गया। विद्यालय मे कार्यरत शेष अन्य समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 102 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 55 छात्र उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बनता हुआ पाया गया। विद्यालय की मध्यान्ह भोजन पंजिका के अवलोकन मे डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा पाया गया कि गत तीन कार्य दिवसों मे क्रमशः 68, 75, 73 छात्रों द्वारा मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया हुआ प्राप्त हुआ। बीएसए डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों का मूल्यांकन किये जाने पर छात्रों का अधिगम स्तर न्यून पाया गया। विद्यालय द्वारा गत शैक्षिक सत्र 2022–23 मे 109 छात्रों के सापेक्ष 102 छात्रों की डी0बी0टी0 की हुई प्राप्त हुयी। विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त कम्पोजिट धनराशि 50000 रूपए के सापेक्ष कुल धनराशि व्यय की गयी है। विद्यालय मे प्रिंट रिच सामग्री का अभाव पाया गया। जिसके कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विद्यालय मे कार्यरत प्रधानाध्यापक सहित समस्त अध्यापकों को स्पष्टीकरण निर्गत किया गया।

सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में हुई संपन्न

सीएम डैशबोर्ड पर माह अक्टूबर में जनपद शाहजहाँपुर की रैंक 20वीं

सी,डी,ई, रैंक वाली योजनाओं से संबंधित अधिकारियों को सुधार के कड़े निर्देशः डीएम

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर–' जिलाधिकारी उमेश प्रातप सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक मंगलवार को संपन्न हुई। सीएम डैशबोर्ड पर विगत माह 13वीं रैकिंग के प्राप्त होने के सापेक्ष माह अकटूबर में सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैकिंग 20वीं प्राप्त हुई। बैठक के दौरान खराब प्रगति वाली योजनाओं के संबध में सबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं की खराब प्रगति है उनमें सुधार करने की आवश्यकता है और जिन योजनाओं की प्रगति अच्छी है उन्हे अपनी स्थिति को बनाये रखने के लिये प्रयास करना है।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लाई बाधित होने पर प्राप्त ब रैंकिग को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये जवाब तलब करने के निर्देश दिये। उद्योग विभाग द्वारा एमओयू में खराब प्रदर्शन के कारण व रैंक प्राप्त होने तथा उद्यमी मित्र द्वारा जनपद में कार्य न किये जाने पर, उद्यमी मित्र के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु कड़े निर्देश उपायुक्त उद्योग को दिये। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिये कि जल्द एमओयू में रैंक सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को भवन निर्माण में प्राप्त म रैंक को लेकर जिलाधिकारी ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की तथा तथ्यात्मक आकडाध प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिये। जिला पंचायत राज विभाग की खराब रैकिंग के कारण खराब प्रदर्शन करने वाले सम्बन्धित प्रधान एवं सचिव के विरूद्ध कार्यवाही हेतु डीपीआरओ को निर्देश दिये। पर्यटन विभाग की खराब रैंकिग तथा पर्यटन विभाग के अधिकारी द्वारा संचालित परियोजनाओं के सम्बंध में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध न कराये जाने पर कड़ी फटकार लगाते हुये जिलाधिकारी ने कार्यवाही के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को जनपद के सभी विद्यालयों मे तैनात शिक्षकों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होने डीआईओएस को खण्ड शिक्षा अधिकारियों के साथ बीसी आयोजित कर विद्यालयों के निरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी लेने हेतु भी निर्देश दिये। सेतुओं के निर्माण हेतु संचालित परियोजनाओं मे जो परियोजनाए पूर्ण होने वाली है उन्हें शत प्रतिशत पूर्ण करके पोर्टल पर फीड करने हेतु जिलाधिकारी ने निर्देश दिये। नगर विकास विभाग से सम्बंधित योजनाओं का विवरण सही उपलब्ध न कराये जाने पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित योजनाओं से विज्ञ अधिकारी को बैठक में भेजने हेतु अपर नगर आयुक्त को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तकनीकी कारणों से जिन विभागों की रैंकिंग सीएम डैशबोर्ड पर सही प्रदर्शित नही हो रही है वह सभी सम्बन्धित विभाग सुधार करने हेतु पत्र प्रेषित करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होने नगर निगम, एआरटीओ, रेवन्यु, विद्युत विभाग, आबकारी, चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, पीएम पोषण, निराश्रित गोवंश, मतस्य योजना, निराश्रित महिला पेंशन, लोक निर्माण विभाग, गन्ना विभाग, एमएसएमई सहित अन्य योजनाओं विभागों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभाग द्वारा संचालित समस्त परियोजनाओं की प्रगति को ट्रैक करें। प्रतिदिन डाटा को सीएम डैशबोर्ड पर भरना सुनिश्चित करें। ए–प्लस रैकिंग लाने वाले अधिकारियों को सुधार करने पर सराहना भी की। जिन योजनाओं में सी,डी,ई रैंकिग है उनसे सम्बन्धित अधिकारियों को जल्द सुधार करने हेतु निर्देश दिये।

बैठक में सीडीओ एस बी सिंह, अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 सुरेश कमार, जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह,मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर0के0 गौतम समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाऐं महाविद्यालयों में शुरू

मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज में प्रथम पाली में शिक्षाशास्त्र विषय की सेमेस्टर परीक्षा करायी गई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश के अनुसार परीक्षा से पूर्व मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में परीक्षा समिति की बैठक हुई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान की अध्यक्षता में समिति ने तय किया कि सेमेस्टर परीक्षाएं 28 नवंबर से शुरू होगी। सेमेस्टर परीक्षा का समय घटाकर दो–दो घंटे किया गया। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में बीए शिक्षाशास्त्र विषय की परीक्षा प्रथम पाली में

सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि बीए/बीएससी और बीकॉम की अर्धवार्षिक परीक्षा की शुरूआत कर दी गई है।परीक्षा में उड़ाकादल सक्रिय रहा एवं प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने भी परीक्षा कक्ष का निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि

आज हमारे कॉलेज में बीए शिक्षाशास्त्र की परीक्षा प्रथम पाली में समस्त प्राध्यापकों की देख–रेख में सुचारू रूप से संम्पन्न कराई गई। परीक्षा में डॉ शहनवाज खान,डॉ के के सिंह, डॉ नीलेश सिंह, डॉ ज्योत्स्ना सिंह, डॉ शाहिदा परवीन,डॉ राशिद,डॉ यूपी सिंह आदि समस्त प्राध्यापकों की निगरानी में परीक्षा संम्पन्न हुई।

गंगा समग्र सहित विभिन्न संगठनों ने धूमधाम से मनाया देव दीपावली महोत्सव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देव दीपावली का महोत्सव जनपद में धूमधाम से मनाया गया जनपद के नदी के किनारे स्थित विभिन्न घाटों को दीपों से सजाया गया। एक तरफ गंगा समग्र अनुषांगिक संगठन राष्ट्रीय सेवक संघ के पदाधिकारी द्वारा गूलर घाट सहित अन्य घाटों को आकर्षक दीपो से सजाया गया और गंगा जी की आरती की गई। इस अवसर पर गंगा समग्र के समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित रहे जिला संयोजक भृगु नाथ पाठक प्रांत सहसंयोजक डॉ अभिषेक श्रीवास्तव कार्यक्रम संयोजक दीपक श्रीवास्तव, इंजीनियर अतुल सिंह गुरु प्रसाद शिवम प्रजापति गोविंद मोदनवाल मोतीलाल डॉ अखिलेश पांडे जिला सहसंयोजक संजीव मौर्य महिला पदाधिकारी सहित स्थानीय लोगों ने भी दीपोत्सव कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।तो ही दूसरी तरफ गोकुल घाट पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव व बसपा के पूर्व सांसद धनंजय सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि धनंजय सिंह विशिष्ट अतिथि डॉक्टर क्षितिज शर्मा व कर्मचारी नेता निखिलेश सिंह व डॉक्टर इरफान अहमद द्वारा प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।तदुपरांत छोटे–छोटे बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए गए कार्यक्रम के उपरांत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सांसद द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में सम्मानित पत्रकार गणमान्य नागरिक लोग उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि द्वारा अपने संबोधन में लोगों को शुभकामनाएं देते हुए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने पर बधाई दिया गया साथ ही आयोजन समिति को भरोसा दिलाया कि भविष्य में इस स्थान पर जो भी संभव होगा पूरी तरह से मदद किया जाएगा बच्चों ने बहुत ही सुंदर और मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया है। इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन से बच्चों के साथ समाज को भी सनातन परंपरा की जानकारी होती है।

सनातन महासभा की 119वी मां गोमती महाआरती का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित 119वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती व सनातन समागम का आयोजन सोमवार को किया गया। मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ हरिद्वार की तर्ज पर 07 भव्य मंचो से पूज्य श्री आनंद नारायण जी महाराज, स्वामी कौशिक चौतन्य,,आचार्य त्रियंबक चौतन्य, स्वामी मुरारी दास, स्वामी कृष्ण मोहन, देवेंद्र शुक्ल के सानिध्य में हुई। महाआरती में मृदंग, मंजीरा, ढोल, तासे, शंख का खूब प्रयोग किया गया। अध्यक्ष डॉ प्रवीण ने बताया कि बच्चों द्वारा विभिन्न देवताओं के रूप में महाआरती का आयोजन भूषण अग्रवाल,, महर्षि कपूर, श्रुति गुप्ता,मंजू श्रीवास्तव के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम का आरंभ रिद्धि सिद्धि के दाता सुनो गणपति..., से हुआ। सभी बच्चो को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया और श्री गुरुनानक देव की जयंती पर उनको माल्यार्पण करके उनके जीवन पर विचार प्रस्तुत हुए। महाआरती का संयोजन कर रहे महासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण व मुख्य सचिव देवेंद्र शुक्ल ने बताया कि महाआरती के बाद 1101 दीपो से घाट दिवाली की तरह जगमगा उठा और सभी ने वरिष्ठ समाजसेवी हिमांशु शेखर व आरती शुक्ला के नेतृत्व में मां गोमती की स्वच्छता व किनारों के अतिक्रमण को लेकर संकल्प दीपो से सभी भक्तों को कराया। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन विकास मिश्र ने किया और भक्तो को अपनी मिमिक्री से मनोज सारस्वत ने हँसते हँसाते धर्म का ज्ञान तमाम फिल्मी कलाकारों व राजनेताओ की आवाज में दिया। इस मौके पर सनातन शिरोमणि सम्मान से संत स्वामी त्रियंबक चौतन्य, स्वामी कौशिक चौतन्य, स्वामी कृष्णमोहन, एनआरआई रमेश यादव, नवलेश प्रताप सिंह चौयरमेन सभापति,उद्यान, नीलू त्रिवेदी, अचिन मेहरोत्रा, सुधीर अग्रवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सीपी अवस्थी, रामकिशोर शुक्ल, ऋषि शर्मा, मनीष रस्तोगी, रवि कचरू, हिमांशु अवस्थी, देवेंद्र राय, केके राय, प्रदीप पांडेय, आरती शुक्ला, सुशील तिवारी, विनय कुमार, मनोज श्रीवास्तव,सीपी तिवारी, भूषण अग्रवाल, शोभित सिंह, कमल कपूर, दीपक चौधरी मौजूद रहे।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान के संबंध में जिलाधिकारी ने किया बीएलओ व सुपरवाइजर से संवाद

बूथों के संबंध में जानकारी न देने पर जिलाधिकारी ने प्रतिकूल प्रविष्टि देने के दिये निर्देश

आवेदनों को ससमय पोर्टल पर अपलोड किया जाए:-जिलाधिकारी

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई। मंगलवार को जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान के संबंध में हरदोई विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ व सुपरवाइजर से संवाद किया। जिलाधिकारी ने कहा कि शत प्रतिशत कवरेज के लिए घर–घर सर्वे किया जाए। इपी रेशियो व जेंडर रेशियो का विशेष ध्यान रखा जाए। 18–19 आयुवर्ग के सभी पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ना सुनिश्चित किया जाए। लक्ष्य के अनुरूप इस कार्य को किया जाए। फार्मों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आवेदनों को ससमय पोर्टल पर अपलोड किया जाए। प्रथम बार मतदाता बनने वाले लोगों को सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म 6 भरा जाए। अधिक आयु के लोगों के लोगों का यदि फॉर्म 6 भरें तो उसकी गहन जाँच अवश्य कर लें। यदि वह व्यक्ति पहले कहीं का मतदाता रहा हो तो उसका नाम नए स्थान पर जोड़ने के लिए फॉर्म 8 भरें। एईआरओ मौके पर जाकर बीएलओ के कार्यों का निरीक्षण करें। सुपरवाइजर अपने बीएलओ से निरंतर संवाद करते रहें। यदि अपलोडिंग संबंधी कोई समस्या आती है तो तत्काल वीआरसी केन्द्र से सम्पर्क करें। सुपरवाइजर व एईआरओ अपने बीएलओ की समस्या का तत्काल निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि 18–19 आयुवर्ग के फॉर्म 6 का लक्ष्य 4.67 प्राप्त किया जाए। बूथवार जेंडर रेशियो को लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित करें। इपी रेशियो 60 प्रतिशत के आस–पास रहना चाहिए। खराब जेंडर रेशियो व इपी रेशियो वाले बूथों पर बीएलओ विशेष प्रयास कर लक्ष्य को प्राप्त करें। मृतक व डुप्लीकेट मतदाताओं को फॉर्म 7 भरवाकर हटाएं। माइग्रेशन व करेक्शन के मामले में फॉर्म भरें। सभी बूथों पर तीनों प्रकार के क्यू आर कोड अवश्य लगवाये जाएं। एक क्यूआर कोड से निर्वाचन आयोग की वेबसाइट खुलेगी। दूसरे से वोटर के पोर्टल पर पहुंच सकते हैं। तीसरे कोड से वोटर हेल्पलाइन पर पहुंचा जा सकता है। उन्होंने पर्यवेक्षक विजयपाल, अरुणेश कुमार, शिवम कश्यप को अपने बूथों के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी न होने पर प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक एईआरओ यह जाँच करे कि पर्यवेक्षक व बीएलओ निर्देशों का अध्ययन कर रहे हैं या नही। जिलाधिकारी ने बीएलओ से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा तत्काल समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। ग्राम स्तरीय बैठक करायी जाए। उन्होंने आगे कहा कि अच्छा कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा तथा खराब काम करने वाले बीएलओ की जवाबदेही तय की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, उपजिलाधिकारी स्वाति शुक्ला, उपजिलाधिकारी राकेश सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर द्वारा पुरानी पेंशन बहाली, एव अन्य मांगों को लेकर 29 नवंबर की सायं को शहर में निकाला जाएगा मशाल जुलूस

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर द्वारा पुरानी पेंशन बहाली, सेवा सुरक्षा,9 नवंबर के शासनादेश की वापसी चिकित्सीय सुविधा प्रदान करने सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन के क्रम में 29 नवंबर की सायं को शहर में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। यह बीआरपी इंटर कालेज जौनपुर से कलेक्ट्रेट परिसर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा तक जाएगी।इस आशय की घोषणा जिलाध्यक्ष सुधाकर सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।उन्होंने यह बताया की इस जुलूस में प्रांतीय उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह प्रांतीय मंत्री अजय प्रकाश सिंह जिला मंत्री प्रमोद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक पहुंच कर अपनी आवाज बुलंद करेगें। उन्होंने बताया कि हम अपनी मांगों को लेकर जनपद के शिक्षकों की बड़ी संख्या के साथ प्रदेश की सरकार पर दबाव बनाने के लिए 1 दिसंबर को विधान भवन घेरने का काम करेगें।

मेदांता अस्पताल लखनऊ में सफलतापूर्वक किया गया यूपी का पहला हाई डोनर स्पेफिफिक एंटीबॉडी बोन मैरो ट्रांसप्लांट

अभूतपूर्व हाफ–मैच बोन मैरो ट्रांसप्लांट बना रोगियों के लिए नई आशा की किरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चिकित्सा उपचार में नए प्रतिमान और आयाम रचते हुए मेदांता अस्पताल लखनऊ ने एक महत्वपूर्ण ट्रांसप्लांट में हाफ मैच डोनर का उपयोग करके दो अभूतपूर्व बोन मैरो ट्रांसप्लांट को सफलतापूर्वक संपन्न किया। बोन मैरो ट्रांसप्लांट में की गई यह एडवांस्ड प्रक्रिया उन रोगियों के लिए आशा की नई किरण लेकर आई है जो पहले फुल मैच डोनर खोजने की चुनौतियों के कारण सीमित विकल्पों का सामना कर रहे थे। हाफ मैच बोन मैरो ट्रांसप्लांट, जिसे हेप्लोआइडेंटिकल ट्रांसप्लांट के रूप में भी जाना जाता है, संभावित दाताओं के पूल को विस्तारित करता है, जिससे जीवन–रक्षक उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्तियों के लिए उपयुक्त मैच खोजने की संभावना बढ़ जाती है।

यह अभिनव दृष्टिकोण ट्रांसप्लांट चिकित्सा के क्षेत्र में एक सफलता की नई इबारत लिखता है। मेदांता अस्पताल लखनऊ में इस प्रक्रिया की देखरेख कर रहे हेमेटो–ऑन्कोलॉजी के निदेशक डॉ. अंशुल गुप्ता ने कहा, ष्हम खतरनाक बीमारी अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित 22 वर्षीय रोगी में हाई डोनर स्पेफिफिक एंटीबॉडी के साथ यूपी का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट करने में सफल रहे हैं, जिससे मरीज को नया जीवनदान मिला। डोनर के लिए विशिष्ट एंटीबॉडी की उपस्थिति एंटीबॉडी रिजेक्शन का कारण बन सकती है और इसलिए इसे ज्यादातर मामलों में प्रत्यारोपण के मामले में एक विरोधाभास माना जाता है।

गोरखपुर का 22 वर्षीय मरीज परिवार के लिए अकेला कमाने वाला है और उसे अपनी बहन से प्रत्यारोपण के लिए हाफ मैच मिला। मरीज को बोन मैरो ट्रांसप्लांट हुए तीन महीने पूरे हो चुके हैं और वह सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हैं।

लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया रक्त कैंसर की एक गंभीर श्रेणी में आता है। इससे पीड़ित 50 वर्षीय पुरुष पर एक और चुनौतीपूर्ण बोन मैरो ट्रांसप्लांट प्रत्यारोपण किया गया। षमिनिमल इम्यूनोसप्रेशनष के साथ रिजेक्शन के खतरे को कम करने के लिए हमने रोगी के पूरे शरीर को कवर करते हुए श्टोटल बॉडी इरेडिएशन किया। टोटल बॉडी इरेडिएशन आम तौर पर रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा ट्रांसप्लांट के दौरान डोनर के बोन मैरो को रिजेक्ट करने से रोकने के लिए किया जाता है। डॉ. अंशुल गुप्ता ने कहा कि टीबीआई का प्रदर्शन पहली बार सेंट्रल और ईस्टर्न यूपी के किसी अस्पताल में किया गया है। मरीज अब कैंसर मुक्त है और अपना सामान्य जीवन फिर से शुरू कर चुका है।

हाफ मैच बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सफलता अधिक व्यापक और प्रभावी ट्रांसप्लांट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मेदांता अस्पताल लखनऊ रोगी परिणामों में सुधार और उपचार विकल्पों के विस्तार पर ध्यान देने के साथ, चिकित्सा में नए प्रयोगों और सफल चिकित्सा प्रतिमानों को गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेंट थॉमस मिशन स्कूल ने वार्षिक उत्सव समागम के नाम से मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जानकीपुरम् में स्थापित सेंट थॉमस मिशन स्कूल ने वार्षिक उत्सव समागम के नाम से मनाया जो कि नव रसो का समाहित मिश्रण था। कार्यकम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो० आलोक कुमार राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय तथा स्कूल के चेयरमैन और ऑर्थोडाक्स सो०, दिल्ली डायसिस के बिशप डॉ योहानान मॉर डिमेट्रियस द्वारा दिप प्रज्जवलित करके किया गया।

स्कूल मैनेजर, फॉदर लेनी चाको ने मेहमानों और अभिवावको का स्वागत सुन्दर शब्दो द्वारा करते हुए समारोह के थीम से सभी को अवगत कराया। बच्चो ने नवरस द्वारा जीवन के विभिन्न भावनाओं या रसों अर्थात वात्सल्य रस, वीर रस, हास्य रस, श्रृगांर रस, शांत रस तथा रौद्र रस आदि के मिश्रण को प्रदर्शित किया एवं जीवन की सच्चाई से लोगो को परिचित कराया।

कार्यक्रम में डायसिस सेक्रेटरी फादर सजी अब्राहम भी उपस्थित रहे तथा इस दौरान मेधावी छात्रों और खेल

पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। स्कूल प्रिंसिपल डॉ० रूपम दुबे ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक कर्मचारी, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों को धन्यवाद तथा आभार व्यक्त किया। इस भव्य सफल कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान द्वारा किया गया।

हिंदू समाज पार्टी ने व्यापार मंडल का भार विपिन कुमार गुप्ता को सौंपा

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हिंदू समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष किरण कमलेश तिवारी व प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोस्वामी ने संगठन का विस्तार करते हुए विपिन कुमार गुप्ता को व्यापार मंडल का जिला अध्यक्ष पद का भार सौंपा, वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष ने जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर विपिन कुमार गुप्ता को बधाई दी और साथ ही संगठन का विस्तार पूरी लगन और मेहनत से करने की अपील की।

रूपये दोगुना करने की लालच देकर लाखों की ठगी,आरोपी पैसा लेकर फरार

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में ठगों ने एक युवक को एक ही दिन में रूपये दोगुना करने का लालच देकर लाखों रूपये की ठगी कर फरार हो गया। ठगों के काफी देर वापस न आने पर युवक को उसके साथ ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद पीड़ित ने सरोजनीनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया हैं। उन्नाव के भाऊमऊ थाना असोहा निवासी धर्मेन्द्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके परिचित सूरज चौधरी निवासी रापरा सरौरा थाना सैरपुर लखनऊ ने बताया कि रुपया खर्च करने पर उसे उसी दिन दोगुना रुपया वापस कर दिया जायेगा। सूरज चौधरी के कहने पर वह बीती रविवार को अपने दोस्त शुभम भारती निवासी मौरांवा रोड मोहनलालगंज के साथ तीन लाख रूपये लेकर ट्रांसपोर्ट नगर जेगुआर शोरूम के पीछे एक चाय की दुकान पर पहुंचा। जहां सूरज चौधरी के बताए अनुसार वहां पर रमेश निवासी अम्बेडकरनगर व एक अन्य व्यक्ति नाम पता अज्ञात सफेद रंग की स्कॉर्पियों गाड़ी (UP 45 R 1400) से आए और उससे पूछा कितने पैसे लेकर आए हो। जिस पर उसने तीन लाख रुपये लेकर आने की बात कही। इसके बाद रमेश व अन्य व्यक्ति ने उनसे 3 लाख रुपये ले लिया। इसके बाद कहा कि आप यही बैठो आप को कुछ देर में रुपये दोगुना कर के देते है। वो दोनों स्कार्पियों गाड़ी लेकर वहां से चले गये। धर्मेंद्र और शुभम काफी देर तक उन लोगों का इंतजार करते रहे। लेकिन एचवे लोग न तो वापस आये न ही उनका फोन मिल रहा है। ठगी का एहसाए होने पर सरोजनीनगर कोतवाली पहुंचकर ठगों के खिलाफ तहरीर दी हैं। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर शैलेंद्र गिरी ने बताया कि पीड़ित की लिखित शिकायत पर सूरज चौधरी, रमेश और एक अज्ञात व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही हैं।

गरीबी की आग में झुलसता बचपन

बिहार की बेटी ने लगाई मदद की गुहार

वाराणसी । देश के प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र के सुभाष नगर में गरीबों की आग में झुलस्ता बचपन ये बता रही है कि आज भी हमारे देश में कितनी गरीबी है लोगों के पास ना तो रहने को घर है ना खाने को रोटी यह मासूम बच्चे अपने माता–पिता के साथ छोटी सी उम्र में कड़कती ठंड में घर का चूल्हा जल सके इसलिए लड़कियां इकट्ठा कर रहे हैं। वहीं पर जब काजल कुमारी की निगाहें इन बच्चों को इस हाल में देखा तो उनके पास गई उनसे बात किया तो पता चला कि उनमें से कुछ बच्चों के पिता नहीं है केवल मां हैं जो बच्चों का भरण पोषण करने के लिए चौका बर्तन का काम करती हैं। काजल कुमारी ने उन बच्चों के साथ जाकर उनका घर देखा तो वो हैरान रह गई वहा कुछ बच्चे जमीन पर ही सोए हुए थे। ये सोच में पड़ गई कि इन मासूमों के रहने के लिए छत भी नहीं है। ये गरीबी का नजारा यूपी के बनारस का है जहां गरीबी की आग में बचपन जलने को मजबूर हैं। काजल कुमारी ने इन बच्चों को जरुरत का थोडा बहुत खाद्यान्न पदार्थ एव कुछ जरूरी समान दिया और इनसे कहा है कि ये इनके इस हालत को दूर करने की कोशिश करेंगी और इनके दुःख दर्द को दूर करने के लिए इनकी बातो को सरकार तक पहुचायंगी। बिहार से लेकर यूपी तक काजल कुमारी ने अपने मानव धर्म को निभाया है।और लोगो की समस्याओं को दूर करने में लगी रहती हैं। ये सिर्फ 19 साल की है अपने उम्र से बड़ी सोच और विचार इनको और महान बनाते हैं आज की युवा पीढ़ी के लिए ये एक मिशाल है । ये बिहार के छोटे से गांव पनैला की रहने वाली है और वर्तमान में ये बिहार की राजधानी पटना में रहती हैं। हमें गर्व है इनपर कि ये लोगो की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनका समाधान करती हैं। इन्होंने उन बच्चों की पढ़ाई की जिमेवारी लेने के लिए कई छळव में बात की है। और बच्चो की मां को जीविका दीदी में काम दिलाने के लिए भी ये प्रयासरत हैं। आवास योजना दिलाने के लिए उन्होंने उस इलाके के वार्ड पार्षद से भी अपील की है । बिहार की ये बेटी पुरे देश में बिहार का नाम रौशन कर रही है।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

बच्चों का भविष्य अंधकार में देख रुकी बिहार की बिटिया और बच्चों से किया वादा

शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक हुई, सत्र संचालन का एजेंडा किया गया तय

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की 28 नवंबर से शुरुआत होगी। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इसमें योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा सरकार के सहयोगी दल और विपक्षी दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहें। 28 नवंबर से शुरू होने वाले विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले बुलाई गई बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति की बैठक कर विधानसभा सत्र संचालन का एजेंडा भी तय किया गया। वही आज सर्वदलीय बैठक मे कांग्रेस और बसपा कक्ष की मांग की। दरअसल विधानभवन मे बसपा और कांग्रेस के कार्यालय कक्ष खत्म कर केबिन अलार्ट किया है जोकि सदस्य संख्या के हिसाब से मिला है।विधानसभा मे कांग्रेस के दो और बसपा का एक सदस्य है। इस बार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में योगी सरकार वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी। जोकि इस साल के वित्तीय वर्ष के लिए पहला अनुपूरक बजट होगा। अनुपूरक बजट के माध्यम से यूपी सरकार अपनी कई परियोजनाओं को साकार कर जनता का विश्वास जीतने की बुनियादी

ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर सरकार अनुपूरक बजट के माध्यम से संसाधनों का इंतजाम भी करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले योगी सरकार प्रदेश वासियों को बड़ी सौगात देने की तैयारी में है यही कारण है की योगी सरकार शीतकालीन सत्र में अब तक का सबसे बड़ा अनुपूरक बजट पेश करेगी यह बजट तकरीबन 43 हजार करोड़ से ज्यादा का होगा। अनुपूरक बजट के जरिए योगी सरकार प्रदेश के विकास कार्यों को गति देगी। जिसमें तीर्थ विकास परिषद, राज्य राजधानी क्षेत्र के साथ ही दो नए लिंक एक्सप्रेस वे के लिए भी धन की व्यवस्था के साथ ही पांच एक्सप्रेस वे के दोनों किनारों पर तीस औद्योगिक गलियरों के लिए और अयोध्या के विकास और गन्ना के बकाया भुगतान के लिए स्पेशल पैकेज की व्यवस्था की जाएगी। चालू वित्तीय वर्ष के लिए योगी सरकार ने 6,90,242.43 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था कर रखी है। पिछला अनुपूरक बजट 33768 हजार करोड़ रुपये का था। लेकिन इस बार योगी सरकार जो बजट पेश करने की तैयारी में है वह इससे लगभग 9 हजार करोड़ से भी ज्यादा का होगा। 29 नवंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में योगी सरकार इस बार कई अध्यादेश भी पेश करेगी जिसमें उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (छठवां संशोधन) अध्यादेश तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश,उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश है। अध्यादेशों के अलावा अयोध्या तीर्थ विकास परिषद, देवीपाटन धाम और शुक्र तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद आदि से संबंधित बजट व्यवस्था के साथ ही विधेयक भी पारित कराए जाएंगे।

भाजपा ने बढवाये सवा दो लाख मतदाता

संवाददाता

लखनऊ। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत 25–26 नवंबर को चलाए गए विशेष अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने करीब सवा दो लाख नए मतदाता बनाने के आवेदन पत्र भरवाए हैं। मंत्री, विधायक और सांसदों के साथ तमाम बड़े पदाधिकारियों ने मतदाता बढ़ाने के लिए घर घर दस्तक दी। भाजपा मुख्यालय को मिली सूचना केमुताबिक दो दिन में नए मतदाता बनवाने, नाम और पते में संशोधन के अधिक आवेदन पत्र भरवाए गए हैं। पार्टी ने संदिग्ध मतदाताओं के नाम हटवाने पर भी पूरा जोर दिया है। जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को वोटर चेतना अभियान की फोटो एप पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। तभी सक्रियता मानी जाएगी। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने जिलाध्यक्षों से संवाद कर अभियान की मॉनिटरिंग की। मतदान केंद्र मतदाता की पहुंच से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। बताया गया है कि वोटर चेतना अभियान के जरिये चार से पांच प्रतिशत मतदाता बढ़ाने पर जोर है।

उप मुख्यमंत्री ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

किसी को नही होना पड़ेगा निराश : केशव

संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7– कालिदास पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित गति से निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया। उन्होने जन सुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु विभिन्न अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनता दर्शन में बुजुर्ग, महिलाएं, पुरूष एवं दिव्यांग सहित सैकड़ों लोगों ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्यायें बतायी। बतायी गयी समस्याओं में मुख्य रूप से विद्युत, मार्ग चौड़ीकरण सड़क निर्माण, आवास दिलाने, अवैध कब्जा, कानून व्यवस्था, रास्ता खुलवाने, विकास कार्य, मारपीट, राजस्व ,अतिक्रमण, जमीनी विवाद, चिकित्सा सहायता आदि थीं। उप मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आये तमाम लोगों के पास स्वयं जाकर उनकी समस्याएं सुनीं एवं प्रार्थना पत्र भी लिये। कई लोगों की समस्याओं के निस्तारण के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने शासन के उच्चाधिकारियों, जिलाधिकारियो व पुलिस अधीक्षको सहित कई अधिकारियों से दूरभाष पर भी वार्ता की।

पराग के नए कैंपस में मंदिर हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

लखनऊ। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पराग के सुल्तानपुर रोड स्थित आधुनिक दुग्धशाला में मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। पराग के सुल्तानपुर रोड स्थित आधुनिक दुग्धशाला में अभी तक मंदिर नहीं था। जिसको दृष्टिगत रखते हुए शिखा सिंह तोमर व संचालक मंडल ने नए प्रांगण में कर्मचारी और अधिकारियों के सहयोग से मंदिर निर्माण का फैसला हाल ही मे संपन्न हुई प्रबंध समिति की बैठक में लिया था।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।